ORIGINAL RESEARCH PAPER

Commerce

''भारतीय डाकघर के प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन''

KEY WORDS:

डॉ. अशोक मिश्रा सह – प्राध्यापक सेंट थामस महाविद्यालय भिलाई (छ.ग.)

जगदीश कुमार साहू सहायक प्राध्यापक महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

ABSTRACT

भारत में डाकघर का अपना महत्वपूर्ण स्थान है । प्रारंभ से आज तक डाकघर ने भारतीय अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका निभाई है। जहॉ भारत जैसे विकासशील देश में विभिन्न वित्तीय संस्थाएं हैं वहां डाकघर ने प्रारंभ से ही बचत योजनाओं व अन्य सेवाओं के साथ अपना सराहनीय कार्य किया है । जिस प्रकार बैंकिंग व्यवस्था साख मुद्रा का निर्माण कर अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। बैंक जनता के पास निष्क्रीय पड़ी धनराशियों को निक्षेप के रूप में स्वीकार कर उसे उपयोगी पूंजी का स्वरूप प्रदान करता है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति में उस देश की पूंजी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। पूंजी में वृद्धि बचत से ही हो सकती है। बचत के द्वारा एक ओर जहॉ जन साधारण अपनी राशि अन्यत्र जमा कर लाभ प्राप्त करता है वहीं दूसरी ओर पूँजी निमार्ण मे वृद्धि होती है। उपरोक्त शोध पत्र में ''भारतीय डाकघर में प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन'' करने का प्रयास किया जा रहा है जिसके माध्यम से डाकघर कि बचत एवं जमा योजनाओं के प्रति रूझान एवं उपलब्ध बचत योजनाओं के विषय मे विस्तृत अध्ययन किया गया है ।

परिचय–

भारत में प्रथम प्रधानडाकघर की स्थापना 1 जून 1886 मद्रास मे कि गई । भारतीय डाक विभाग वित्त मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से लघु बचत एवं जमा योजनाऍं आयोजित करता है बचत बैंक कि सुविधाऍं देश के 1,54,965 डाकघरों के माध्यम से इन योजनाओं का लाभ जन सामान्य को उपलब्ध कराया जाता है । भविष्य की अनिश्चितता को ध्यान में रखकर प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक अधिकांश लोगों के द्वारा बचत करने का प्रयास किया जाता रहा है । प्राचीन काल से ही लोगों में बचत करने की प्रवृत्ति देखी जाती रही है । बचत प्राचीन काल में भी किया जाता था और वर्तमान में भी किया जाता है । परिवर्तन केवल बचत को विनियोग करने के तरीकों मे हुआ है । वर्तमान में बचत बैंकों,वित्तीय संस्थाओं, बीमा कम्पनियों तथा डाकघर में विनियोग कर दी जाती है । बचत से न केवल भविष्य की सुरक्षा होती है अपितु बचत पूँजी निर्माण मे महत्वपूर्ण योगदान देती है । इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों की बचत राशि को संग्रहीत करने तथा बचत बैंक संबन्धी सुविधा प्रदान करने के लिए डाकघरों में बचत बैंक की स्थापना की गई । जिससे शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की बचत को संग्रहीत किया जा सके । डाकघर द्वारा संचालित योजनाओं मे आम आदमी अपनी न्यूनतम निवेश से इसकी बचत योजनाओं का लाभ ले सकता है। डाकघर का विस्तार विगत वर्षो मे तीव्र गति से हुआ है । वर्तमान मे एक लाख से भी अधिक डाकघरों के साथ भारतीय डाक प्रणाली विश्व मे पहले स्थान पर है । भारतीय डाक घर तंत्र विश्व की सबसे बड़ी डाक प्रणाली होने के साथ–साथ देश का बडा रिटेल नित्वर्क भी है । डाकघर के माध्यम से ही प्रथम बचत बैंक की स्थापना की गई है जिसमें 16 करोड से भी अधिक खाताधारी है । जिनमे लगभग 10 लाख करोड़ की राशि

विनियोजित कि गई है , जिनसे प्राप्त होने वाला सालाना राजस्व 1500 करोड़ से भी अधिक है ।

डाकघरों का स्वरूपः–

भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्न्त और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है । वह हजारों वर्षो के लंबे सफर की देन है । अंग्रेजो ने डेढ सौ साल पहले अलग–अलग हिस्सों में संचालित डाक व्यवस्था को एकरूपता प्रदान करने की जो पहल की उसने भारतीय डाक प्रणाली को एक नया स्वरूप प्रदान किया । भारत की आजादी के बाद हमारी डाक प्रणाली को जनसामान्य की जरूरतों को ध्यान मे रख कर विकसित करने का प्रयास किया गया है । नियोजित विकास प्रकिया ने ही भारतीय डाक को दुनिया की सबसे बड़ी डाक प्रणाली बनाया है । राष्ट्र निमार्ण मे भी डाक विभाग ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है और इसकी उपयोगिता लगातार बनी हुई है । भारतीय डाक विभाग एक लाख से अधिक शाखाओं के साथ संपूर्ण देश में संचालित है जिनके माध्यम से देश के जनमानस की आवश्यकताओं को पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है ।

उद्देश्य –

1. डाकघर द्वारा संचालित मुख्य बचत एवं जमा योजनाओं का अध्ययन।
2. डाकघर की मुख्य बचत एवं जमा योजनाओं की स्थिति का अध्ययन
3. बचत योजनाओं के प्रति शहरी क्षेत्र में उपयोग जानना।

डाकघर द्वारा संचालित मुख्य बचत एवं जमा योजनाएं –

1. डाकघर बचत बैंक खाता

डाकघर बचत बैंक खाता उन लोगो को बचत के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारंभ कि गई है जिनकी आय न्युनतम है। यह डाकघर की प्रारंभिक बचत योजना भी है । यह खाता किसी भी व्यक्ति द्वारा केवल 20/. के न्यूनतम राशि से खोला जा सकता है । इस खाते मे राशि कभी भी जमा कि जा सकती है व निकाला भी जा सकता है इस खाते मे न्यूनतम शेष 50/– रू होना अनिवार्य है । यदि खाताधारी इस खाते के लिए चैकबुक कि सुविधा प्राप्त करना चाहता हो तो उसे यह खाता 20/– के स्थान पर 500/– रू से खोलना होगा। इस खाते मे जमा राशी पर प्रतिवर्ष 4 प्रतिशत कि दर से ब्याज दिया जाता है यह ब्याज दोनो (एकल व संयुक्त) खातो पर दिया जाता है ।

2. 5– वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता (आर डी)

डाकघर का 5– वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता थोड़ी–थोड़ी राशि जमा कर बड़ी बचत प्राप्त करने का एक बेहतर विकल्प है इस खाते मे हर महीने पॉच वर्षो तक राशि जमा करनी होती है । यह खाता किसी भी व्यक्ति द्वारा केवल 10/– के मासीक किस्त पर खोला जा सकता है जिसे 5/–रू के गुणांको मे आवश्यकतानुसार बढ़ाया भी जा सकता है । इस खाते मे जमा रकम पर प्रतिवर्ष 6.9 प्रतिशत कि दर से ब्याज दिया जाता है इस खाते का ब्याज तिमाही चकवृद्धि के हिसाब से जुड़ता है । इस खाते मे एक वर्ष तक राशि जमा हो जाने के पश्चात इसमे जमा कि गई राशि का 50 प्रतिषत तक राशि आहरीत कि जा सकती है । खाताधारी की मृत्यु या अत्यन्त आवश्यक परिस्थितियों मे भी इस खाते कि पुरी राशि आहरित कि जा सकती है ।

3. डाकघर समय जमा खाता (टीडी)

डाकघर समय जमा खाता किसी भी व्यक्ति द्वारा केवल 200/–रू मे खुलवाया जा सकता है इससे अधिक कि राशि को 200/–रू के गुणांक मे जमा करा सकते है । इस खाते पर वार्षीक ब्याज दिया जाता है लेकिन इसकी गणना तिमाही चकवृद्धि ब्याज के आधार पर होती है अलग–अलग वर्षो पर ब्याज कि दरे भिन्न होती है । एक वर्ष तक की जमा राशि पर 6.6 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाता है , दो वर्ष तक की जमा राशि पर 6.7 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जाता है, तीन वर्ष तक की जमा राशि पर प्राप्त होने वाले ब्याज की दर 6.9 प्रतिषत है, 5 वर्ष तक जमा राशि पर ब्याज की दर 7.4 प्रतिशत है । इस खाते मे पॉच वर्ष तक जमा राशि पर आयकर मे धारा 80सी के तहत छूट प्राप्त होती है ।

4. डाकघर मासिक आय योजना खाता(एमआईएस)

डाकघर मासिक आय योजना मे राशि पॉच वर्ष के लिए जमा कि जाती है । जिसका ब्याज प्रतिमाह प्राप्त होता रहता है । यह खाता किसी भी व्यक्ति द्वारा न्यूनतम 1500/–रू से खोला जा सकता है इस खाते मे अधिकतम राशि जमा करने संबंधि प्रतिबंध लागु है । इस खाते पर प्राप्त होने वाले ब्याज की दर 7.3 प्रतिशत वार्षीक है । खाताधारक द्वारा जमा कराई गई राशि कभी भी आहरित कि जा सकती है , एक वर्ष से पूर्व आहरित करने पर डाकघर द्वारा कोई ब्याज नही दिया जाता है।

5. वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस)

वरिष्ठ नागरिक बचय योजना उन व्यक्तियों के लिए भी उपलब्ध है जो 55 वर्ष से 60 वर्ष के बीच सेवानिवृत होने वाले है ये अपने सेवानिवृत्ति से 3 माह पूर्व यह खाता खोल सकते है ।इस खाते कि अवधि 5 वर्ष की होगी । यह खाता न्यूनतम 1000 रू. से खोला जा सकता है इस खाते मे जमा रकम 15 लाख से अधिक नही हो सकता । इस खाते पर प्राप्त होने वाले ब्याज की दर 8.3 प्रतिशत है ।

6. 15 वर्षीय सार्वजनिक भविष्य निधि खाता (पीपीएफ)

15 वर्षीय सार्वजनिक भविष्य निधि खाता नौकरीपेशा एवं व्यापारी वर्गो हेतु उपर्युक्त निवेश विकल्प है । इस खाते मे राशि 15 वर्षो के लिए किस्तों मे जमा होता है यह खाता सिर्फ एकल नाम से ही खोला जा सकता है । इस खाते को कम से कम 100 रू. से प्रारंभ किया जा सकता है किन्तु एक वित्तिय वर्ष मे कम से कम 500 रू जमा करना अनिवार्य है व वर्ष मे जमा अधिकतम राशि 1 लाख 50 हजार होगी इस खाते मे राशि एक मुस्त या 12 वार्षिक किस्तो मे जमा कि जा सकती है । इस खाते पर 7.6 प्रतिशत कि दर से ब्याज प्राप्त होता है जो चकवृद्धि दर से जोड़ी जाती है । इस खाते पर जमा रकम पर आयकर अधिनियम के धारा 80 सी के तहत टैक्स से छूट प्राप्त होती है किन्तु इस पर मिलने वाले ब्याज पर कर से कोई रियायत नही प्राप्त होती है ।

7. किसान विकास पत्र(केवीपी)

किसान विकास पत्र भारत की ग्रामीण आबादी को ध्यान मे रखकर बनाई गई है यह योजना विशेषकर किसानो के लिए उपर्युक्त है । यह एक लंबी समयावधि कि बचत योजना है जिसमे राशि 9 वर्ष व 7 माह मे दोगुना हो जाता है । इसे कय करने कि न्यूनतम राशि 1000 रू है यह पत्र 1,000, 5,000, 10,000 रू के मूल्यवर्ग के रूप मे मिलते है । आवश्यक होने पर कय कि तिथि से 2.5 वर्ष पश्चात इन्हे भुनाया जा सकता है ।

8. राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र(एनएससी)

इसे वेतन भोगियों, सरकारी कर्मचारी, व्यवसायी और कर अदा करने वाले व्यक्तियों को ध्यान मे रखकर जारी किया गया है । राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र निवेश व कर बचत का सुरक्षित विकल्प है इस बचत योजना को नौकरी पेशा, व्यवसायी, करदाता द्वारा वृहत रूप मे उपयोग किया जाता है । इसे खरीदने के लिए न्यूनतम राशि 100 रू है खरीदने की अधिकतम राशि पर कोई प्रतिबंध नही है । यह प्रमाण पत्र 100, 500, 1000, 5000, और 10,000 के मूल्य वर्ग मे उपलब्ध है । इस पर जमा राशि पर सरकार 7.6 प्रतिशत की दर से ब्याज प्रदान करती है । ब्याज वार्षीक चकवृद्धि आधार पर जोड़ा जाता है परन्तु इसका भुगतान 5 वर्ष पूर्ण होने पर ही होता है । इस पर जमा रकम पर आयकर अधिनियम कि धारा 80 सी के तहत कर से छुट प्राप्त होती है ।

9. सुकन्या समृद्धि खाता

सुकन्या समृद्धि खाता योजना के तहत भविष्य में लडकियों के विवाह या शिक्षा संबंधि बड़े खर्चो की पूर्ति हेतु एकमुश्त रकम की व्यवस्था कराने के उद्देश्य से यह योजना बनाई गई है। यह खाता कम से कम 1000 रूपए मे खोला जा सकता है इससे अधिक कि राशि 100 रू के गुणांक मे होगी । जो अधिकतम 1 लाख 50 हजार वार्षिक तक हो सकती है । इस खाते पर ब्याज की दर प्रतिवर्ष 8.1 प्रतिशत है । जिसे सालाना चकवृद्धि आधार पर जोड़ा जाता है। लडकी की उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद अन्त मे जमा राशि का 50 प्रतिशत तक निकाला जा सकता है । लडकी की उम्र 21 वर्ष पूर्ण होने पर खाते को बंद किया जा सकता है। लड़की की शादी होने की स्थिति मे समय पूर्ण होने से पूर्व भी इस राशि को आहरित किया जा सकता है बशर्त लडकी ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो ।

डाकघर कि योजनाओं में विनियोग करने के लाभ :

- कम आय वर्ग के अनुकुल : डाकघर की बचत एवं जमा योजनाएँ कम आय अर्जित करने वाले वर्गों के लिए अधिक उपयोगी है क्योकि इसमें विनियोजित कि जाने वाली राशि बहुत कम होती है ।
- जोखिम रहित विनियोगः डाकघर विभाग केन्द्र सरकार के अन्तर्गत आता है अतः इसमे विनियोजित कि गई रकम पूर्णतः सुरक्षित होती है क्योकि इसमे राशि के डूबने का खतरा नही होता है । इन योजनाओं मे जमा राशि कि सुरक्षा के लिए सरकार सीधे जिम्मेदार होती है ।
- अच्छी ब्याज दरः डाकघर की सभी बचत एवं जमा योजनाओं पर उचित दर पर ब्याज प्राप्त होता है ।
- कर से छूट : डाकघर कि कुछ योजनाओं में जमा कि गई रकम पर कर से छूट प्राप्त होती है तथा कुछ योजनाओं मे इन जमा राशियों से प्राप्त होनी वाली ब्याज पर आंशिक या पूर्ण रूप से छूट प्राप्त होती है ।
- बड़ी आबादी तक पहुंच : डाकघर की पहुच देश की बडी आबादी तक है जहाँ अन्य बैंकिंग सेक्टर की पहुच नही है । यह इन आबादी के लिए अच्छें बैंकिंग विकल्प उपलब्ध कराते है ।

भारतीय डाकघर मे जमा राशियों का विवरण (वर्षवार)

		राशि करोडो में													
क्र	योजनाएँ	2003	2004	2005	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016
1	डाकघर बचत बैंक खाता	11545	12150	14870	16476	18565	19789	22217	26458	30101	34070	37850	43017	47428	61567
2	5– वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता (आर डी)	28084	30215	41102	49957	60228	65071	64822	62818	61250	62660	67962	74149	74513	76179
3	डाकघर समय जमा खाता (टीडी)	15440	28764	31994	36861	36714	29941	26331	27573	28445	27390	33009	40714	51757	70635
4	डाकघर मासिक आय योजना खाता (एमआईएस)	80915	125852	151026	182540	189440	182390	179270	201693	218674	205290	201787	202085	20055	193808
5	वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस)	.	.	5436	14974	22284	22197	20612	24989	30913	26760	24093	22492	17975	22876
6	15 वर्षीय सार्वजनिक भविष्य निधि खाता (पीपीएफ)	10132	11441	14273	16376	19457	21358	22758	26096	31583	35990	41128	46608	52748	57603
7	राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र(एनएससी)	44524	50832	55128	58507	58913	57388	55455	54776	546420	55070	64719	75086	85608	88139
8	किसान विकास पत्र (केवीपी)	113658	128486	136449	146348	152767	150408	147584	153933	158584	153960	128375	106754	84841	64858

उपरोक्त तालिका के माध्यम से भारतीय डाकघर मे जमा राशियों की वर्षवार विवरण दिया गया है। तालिका में भारतीय डाकघर द्वारा संचालित विभिन्न जमा एवं बचत योजनाओं में वर्षवार कमी वृद्धि स्पष्ट है। डाक घर की विभिन्न बचत योजनाओं में डाकघर मासिक आय योजना (एमआईएस) सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली योजना है। डाक घर बचत बैंक, 5– वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता (आर डी) एवं डाकघर समय जमा खाता (टीडी) में जमा राशियों में उत्तरोतर वृद्धि परिलक्षित है। राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (एनएससी) के जमा राशियों में भी लगातार वृद्धि पायी गया जिसका कारण इस योजना से प्राप्त आयकर में छूट को माना जा सकता है।

भारतीय डाकघर मे बचत खातों की संख्या 2006–2017 (वर्षवार)

क्र.	योजनाएँ	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017
1.	डाकघर बचत खाता	60911773	64342873	69107518	78046881	88564993	96476627	115825520	125323400	133501670	165968186	163030431	186200705
2.	5– वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता (आर डी)	64723609	67027234	66169851	74372853	75309193	84305060	85921440	93898145	110599553	122938104	122189563	122703759
3.	5– वर्षीय डाकघर समय जमा खाता (टीडी)	8576579	12429827	11916977	8898668	9336144	9355825	9424638	11199051	14246320	16238903	16749513	16669195
4.	डाकघर मासिक आय योजना खाता (एमआईएस)	24625490	24921140	23224188	24737525	25061189	26936680	24260438	22886528	22017179	21073808	19543130	16680673
5.	15वर्षीय सार्वजनिक भविश्य निधि खाता (पीपीएफ)	1981703	2111082	2157675	2209780	2256033	2278182	2345861	2374661	2411817	2424984	2456944	2465767
6.	वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस)	489931	752260	855311	1014296	1182504	1405048	1217620	1085831	1067752	954177	1036568	1123387
7.	सुकन्या समृद्धि खाते	.	.	.	.	.	.	.	.	.	2486005	7968318	9919137

उपरोक्त तालिका के माध्यम से भारतीय डाकघर मे जमा खातों का वर्षवार विवरण दिया गया है। तालिका में भारतीय डाकघर द्वारा संचालित विभिन्न जमा एवं बचत खातों में वर्षवार कमी वृद्धि स्पष्ट है। डाक घर की विभिन्न बचत योजनाओं में से डाक घर बचत बैंक के खातों में सर्वाधिक वृद्धि हुई है। डाकघर मासिक आय योजना (एमआईएस), 5– वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता (आर डी) एवं डाकघर समय जमा खाता (टीडी) के खातों में उत्तरोतर वृद्धि परिलक्षित है।

निष्कर्ष :–

भारतीय डाक विभाग देश का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क तंत्र है जिसमे डाक सेवाओं के साथ–साथ वित्तीय सेवाएँ भी प्रदान की जाती है । इन वित्तीय सेवाओं के माध्यम से देश के जनमानस में बचत की प्रवृत्ति का विस्तार किया जा रहा है । इन बचतों से प्राप्त होने वाली राशि से देश के राजस्व मे वृद्धि होने के साथ–साथ पूँजी निमार्ण मे भी सहयोग प्रदान किया जा रहा है । विश्लेषण से स्पष्ट है कि बचत योजनाओं के विस्तार से बचत व पूँजी में निरंतर वृद्धि हो रही है । डाक बचत एवं जमा योजनाओं में सुनियोजित निवेश नीति व ब्याज की दरों से छोटी–छोटी बचतों से बड़ी राशि संग्रहित कि जा रही है । इन बचत एवं जमा योजनाओं का विस्तार करने से लोगों मे अपनी बचत की राशि को विनियोजित करने की प्रवृति मे वृद्धि हो रही है । जिससे देश के साथ–साथ राज्यों का आर्थिक एवं सामाजिक विकास संभव हो सकेगा ।

संदर्भ ग्रंथ सूची:–

1. डाक नियम पुस्तक खण्ड.6
2. डाकघर बचत बैंक नियम पुस्तक खण्ड–1
3. शाखा डाकघर नियमावली.1986
4. https://rbi.org.in
5. www.indiapost.gov.in
6. www.postofficesavingsscheme.in
7. - https://www.indianeconomy.net
8. www.bankbazaar.com